गज़ल

दिखा देते हो रूख जब सांवरे सरकार थोड़ा सा
तो भर लेती हैं आंखे शरबते दीदार थोड़ा सा

1- ये खिल जाते हैं जब
आंसू के कतरे पुष्प बन बन कर
खिला देते हैं दिल में प्रेम का गुलज़ार थोड़ा सा

2-जरा मस्ती के झोंको में
मिली आंखें तो मिलते ही
छलक पड़ता है प्यालों से तुम्हारा प्यार थोड़ा सा

3-चले बिकने पे अश्कों के गौहर
मुझसे यह कह कह कर
कि अब देखेंगे करुणा कर का बाजार थोड़ा सा

4- गिरे डग बिंदू पृथ्वी पर
तो बनके हरफ यों बोले
पतित पावन से लिखवाते हैं हम इकरार थोड़ा सा

Nijanand App